|  |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| BY S. B. R0W. | CLEARFIELD, PA., WEDNESDAY, FEBRUARY 16, 1859. |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  | r: I tha atreaty mad |  |  |  | anamis. |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | constraint upon the Senate to ratify the treaty,whatever sum may be stipulated by its pro- |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | remaining debt on the ground that we hadthen looked into our Constitution and foundthat we had violated it in passing the law bywhich we had authorized thePresident to make |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | the improvident bargain. Sir, this is a plan of finarial management |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | Hemen |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | practically every foot upon its sidewalks inits cities and every acre of monntain andplain and valley in the rural districts of that |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | shows us that, down to this hour, the proposi-tion has not been mentioned in Spain for a pe-riod of ten years. The same Message assures |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | $\begin{aligned} & \text { One-haif whites, Slaves. What institutions of justice, or } \\ & \text { freedom, of religion and public worship will } \\ & \text { obtain or remain there? I nees not know. } \end{aligned}$ |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | 为 |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | in three and three in One' is npheld." "Myfriend," replied Mr. Webster, "neither younor I understand the arithmetic of heaven:"\#-Nantucket Inquirer. |
|  |  |  | which that country is to occupy. Is it to be a Territory of subjects, of political slaves? a province, and governed by armies and navies, |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | 隹 |  |
|  |  |  |  |  | profundity : "No measure of legislafion what- ever can be carried in Congreas without a ma- jority of votes." There's visdom for you ! |

